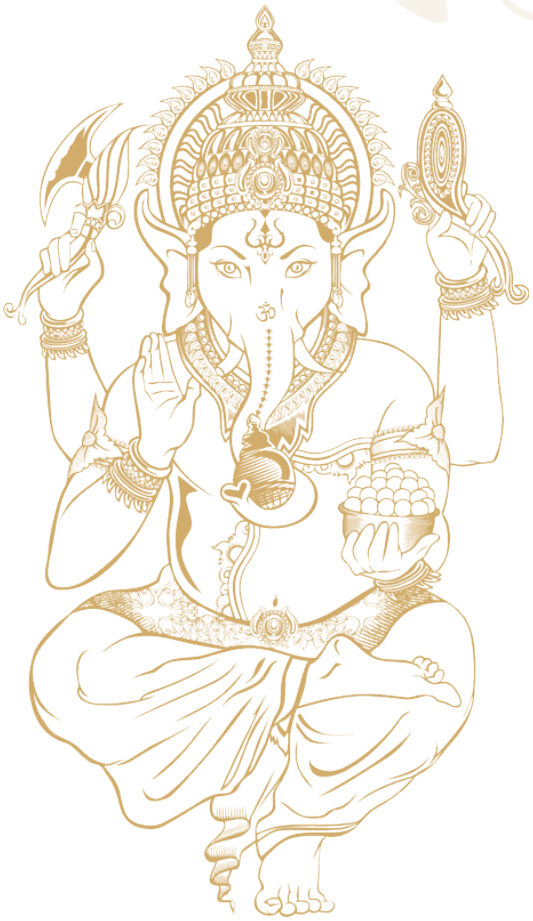

Mr. George Thomas

11 Feb 1987

11:57 PM

Kottayam

Model: web-freekundliweb

Order No: 119475604

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/02/1987**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**23:57:00 घंटे**
इष्ट	42:45:01 घटी
स्थान	**Kottayam**
राज्य	Kerala
देश	India

अक्षांश	11:49:00 उत्तर
रेखांश	75:32:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:29:08 घंटे
वेलान्तर	-00:14:18 घंटे
साम्पातिक काल	08:54:16 घंटे
सूर्योदय	06:50:59 घंटे
सूर्यास्त	18:33:20 घंटे
दिनमान	11:42:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	28:49:05 मकर
लग्न के अंश	18:58:49 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	आयुष्मान
करण	गर
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हू-हुकमसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	18:58:49	341:04:20	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
सूर्य			मक	28:49:05	01:00:41	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	05:22:12	12:00:56	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	स्वराशि
मंगल			मेष	00:12:24	00:41:36	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	मूलत्रिकोण
बुध			कुंभ	16:57:55	01:03:10	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मीन	01:56:57	00:13:21	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	स्वराशि
शुक्र			धनु	13:46:32	01:07:53	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि			वृश्चि	25:40:24	00:04:24	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	19:03:35	00:10:03	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	सम राशि
केतु	व		कन्या	19:03:35	00:10:03	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	02:03:08	00:02:23	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
नेप			धनु	13:27:07	00:01:44	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	16:17:56	00:00:00	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	17:25:59	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:35

लग्न-चलित

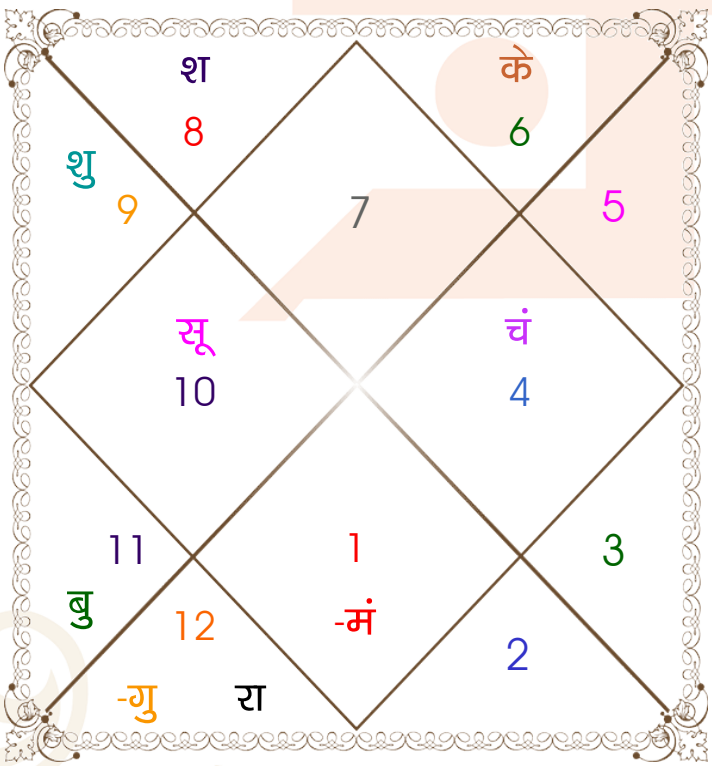

चन्द्र कुंडली

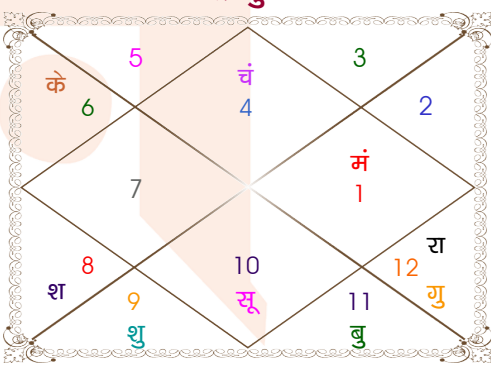

नवमांश कुंडली

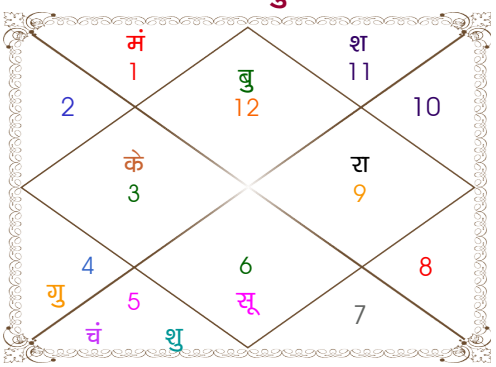

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 16 वर्ष 1 मास 5 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
11/02/1987		19/03/2003		18/03/2020		19/03/2027		19/03/2047	
19/03/2003		18/03/2020		19/03/2027		19/03/2047		19/03/2053	
शनि	22/03/1987	बुध	15/08/2005	केतु	15/08/2020	शुक्र	19/07/2030	सूर्य	07/07/2047
बुध	29/11/1989	केतु	12/08/2006	शुक्र	15/10/2021	सूर्य	19/07/2031	चंद्र	05/01/2048
केतु	08/01/1991	शुक्र	12/06/2009	सूर्य	19/02/2022	चंद्र	19/03/2033	मंगल	12/05/2048
शुक्र	10/03/1994	सूर्य	18/04/2010	चंद्र	21/09/2022	मंगल	19/05/2034	राहु	06/04/2049
सूर्य	20/02/1995	चंद्र	18/09/2011	मंगल	17/02/2023	राहु	19/05/2037	गुरु	23/01/2050
चंद्र	20/09/1996	मंगल	14/09/2012	राहु	06/03/2024	गुरु	18/01/2040	शनि	05/01/2051
मंगल	30/10/1997	राहु	03/04/2015	गुरु	10/02/2025	शनि	19/03/2043	बुध	12/11/2051
राहु	05/09/2000	गुरु	09/07/2017	शनि	22/03/2026	बुध	17/01/2046	केतु	18/03/2052
गुरु	19/03/2003	शनि	18/03/2020	बुध	19/03/2027	केतु	19/03/2047	शुक्र	19/03/2053

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
19/03/2053		19/03/2063		19/03/2070		18/03/2088		19/03/2104	
19/03/2063		19/03/2070		18/03/2088		19/03/2104		00/00/0000	
चंद्र	17/01/2054	मंगल	15/08/2063	राहु	29/11/2072	गुरु	07/05/2090	शनि	12/02/2107
मंगल	18/08/2054	राहु	02/09/2064	गुरु	25/04/2075	शनि	17/11/2092		00/00/0000
राहु	17/02/2056	गुरु	09/08/2065	शनि	01/03/2078	बुध	23/02/2095		00/00/0000
गुरु	18/06/2057	शनि	18/09/2066	बुध	17/09/2080	केतु	30/01/2096		00/00/0000
शनि	17/01/2059	बुध	15/09/2067	केतु	06/10/2081	शुक्र	30/09/2098		00/00/0000
बुध	18/06/2060	केतु	11/02/2068	शुक्र	05/10/2084	सूर्य	19/07/2099		00/00/0000
केतु	17/01/2061	शुक्र	12/04/2069	सूर्य	30/08/2085	चंद्र	18/11/2100		00/00/0000
शुक्र	18/09/2062	सूर्य	18/08/2069	चंद्र	01/03/2087	मंगल	25/10/2101		00/00/0000
सूर्य	19/03/2063	चंद्र	19/03/2070	मंगल	18/03/2088	राहु	19/03/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 16 वर्ष 1 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।